TOI PAGE 4

Pre-independence legacy to world records in education

Tracing The City's Journey Through Edu Institutions Post-Independence

Mohita.Tewari@timesgroup.com

TEMPLES OF LEARNING: From 5 universities in all of UP before Independence, there are now 10 in Lucknow alone

Want to pursue oriental languages, landscape designing or animation. Name a stream and you will get an educational institute in Lucknow. The city has grown as an educational hub in the seven decades and in every decade a new chapter of academic excellence has been added that unfolds how Lucknow's academic scenario evolved post-Independence.

TOI will take you on an educational journey of the city from 1947-2021. As per 'Review of Education' published by the National Council of Education Research and Training, there were only five universities in UP before Independence— Banaras Hindu University, Allahabad University, Aligarh Muslim University, Lucknow University and Agra University. The city had just one state university — Lucknow University — which was established in 1920 and a minority institution, Darul Uloom Nadwatul Ulama, established in 1898. In the last 75 years, the city witnessed the establishment of 10 universities of which a maximum of six were established between 2000 and 2010.The only Central University Dr Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) was set up in 1996 and four years later, the first technical university of the state Dr APJ Abdul Kalam Technical University (AKTU) made the city an epicentre of engineering institutions.

The journey of the city's management education began when the Indian Institute of Management Lucknow (IIM-L) was set up in 1984-8 5. Operating out of a makeshift arrangement in the Giri Institute in Aliganj, there were 27 students who learned lessons on marketing and finance. Five years later, a sprawling campus of IIM-L came up on the Sitapur-Hardoi road.

The oldest university in the city, LU, which had only 18 affiliated colleges till early 2000 now has 180 affiliated colleges in the city alone. The establishment of the only central university BBAU 1996 further strengthened higher education in the city. The first law university of the state, Dr Ram Manohar Lohiya National Law University was established in 2006. Several private universities like Integral, Babu Banarasi Das, Amity also wrote a new chapter of education in the city's history. Apart from this the city also has two universities dedicated to language studies: The English and Foreign Languages University and Khwaja Moinuddin Chishti Language University. Also, a university for differently-abled Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University and an Indian Institute of Information and Technology added more weight to its academic strength.

The city has a historical legacy in school education. La Martiniere College and Colvin Taluqdars College have been witness to the city's changing academic scenario for over a century. Then comes a school, City Montessori School that has the Guinness Book of World Records for being the largest school in terms of pupils.

The city also has the century-old The College of Arts and Crafts and the Government Architecture college. The list of academic institutions does not end here; the city has 32 pharmacy colleges, two medical universities: King George's Medical University and Sanjay Gandhi Postgraduate Institute and three architecture colleges at present.

THOSE WHO MADE A MARK

INSTITUTE	ESTABLISHMENT YEAR	NOTED ALUMNI
Lucknow University	1920	Former president **Shanker Dayal Sharma**, rocket woman Ritu Karidhal, **cricketer Suresh Raina**, Niti Aayog vice-chairman Rajiv Kumar
IIM-L	1984	Global CEO of Procter and Gamble Shailesh Jejurikar, Managing Partner at McKinsey & Company Rajat Dhawan
BBAU	1996	Prof Ranjeet Chaudhari, Mahatma Gandhi Central University,Motihari
IIIT-L	2015	Akshat Jain, engineer at Microsoft, Amit Gomi, engineer at Google

75th INDEPENDENCE DAY
ARCHITECTS OF THE CITY

WHAT IS FREEDOM TO YOU?

With the 75th Independence Day round the corner, TOI speaks to youngsters of UP to know what the word freedom means to them

"Freedom is living in the present rather than worrying about the future, and making the best of an opportunity to progress further"
DEVASHISH MEHTA | BSc GRADUATE

"Freedom for me means being allowed to make mistakes and learn from them without being judged"
RICHA SHRIVASTAV | CLAT ASPIRANT

Compiled by Pragati Shukla

HINDUSTAN PAGE 5

बीएड प्रवेश परीक्षा से पहले केन्द्र बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन 6 अगस्त को प्रदेश के 75 जिलों में होगा। परीक्षा से तीन दिन पूर्व प्रयागराज में एक और इटावा के दो परीक्षा केन्द्रों को अलग-अलग कारणों से बदल दिया गया है। प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजेपयी ने बताया कि इटावा में पुराना परीक्षा केन्द्र करम क्षेत्र महाविद्यालय था जिसके स्थान पर नया परीक्षा केन्द्र जनता महाविद्यालय ब्लॉक ए बकेवर को बनाया गया है। इसी प्रकार प्रयागराज में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। जिसे बदलकर अब इलाहाबाद केन्द्र विश्वविद्यालय के कॉमर्स एण्ड बिजनेस विभाग को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

JAGRAN CITY PAGE I

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तीन केंद्रों में बदलाव

जासं, लखनऊः छह अगस्त को होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तीन परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया गया है। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि अभ्यर्थियों को ई-मेल और मोबाइल मैसेज के द्वारा परीक्षा केंद्रों के परिवर्तन के बारे में जानकारी दी गई है।

कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा ब्लॉक ए आगरा रोड इटावा की जगह जनता महाविद्यालय (ब्लॉक ए),बकेवर इटावा, कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा ब्लॉक बी आगरा रोड इटावा की जगह जनता इंटरकालेज (ब्लॉक बी), बकेवर इटावा, इलाहाबाद डिग्री कालेज 58/46 कैदगंज रोड कृष्ण नगर प्रयागराज के स्थान पर डिपार्टमेंट आफ कामर्स एंड बिजनेस एडमिन, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, चाथम लाइन्स, प्रयागराज को केंद्र बनाया गया है। अभ्यर्थी नया प्रवेश पत्र वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के केंद्रों में बदलाव

-लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की इटावा व प्रयागराज के एग्जामिनेशन सेंटर की नई सूची

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीएड एंट्रेंस एग्जाम को लेकर उठापठक जारी है।6 अगस्त को प्रस्तावित इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा में करीब 6 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे।परीक्षा से दो दिन पूर्व मंगलवार को एलयू प्रशासन ने किन्ही कारणों से 2 जनपदों के 3 परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया है।नए केंद्रों की सूची जारी करने के साथ ही यह भी कहां गया है कि इन केंद्रों के सभी अभियर्थियों को ई-मेल व एसएमएस के जरिए जानकारी भेजी जा चुकी है।

यह है बदले गए केंद्रों की सूची -

-कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा ब्लॉक ए आगरा रोड ,इटावा से बदलकर जनता महाविद्यालय (ब्लॉक ए),बकेवार इटावा

- कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा ब्लॉक बी आगरा रोड,इटावा से बदलकर जनता महाविद्यालय (ब्लॉक बी),बकेवार इटावा

-इलाहाबाद डिग्री कॉलेज - 58/46, क़ैदगंज रोड, कृष्ण नगर, क़ैदगंज, प्रयागराज से बदलकर डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिन यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, छाथम लाइन्स,प्रयागराज

ई-मेल व एसएमएस से किया गया है सूचित -

परीक्षा नियंत्रक प्रो अमिता बाजपेयी के मुताबिक सभी संबंधित अभ्यर्थियों को ई-मेल और मोबाइल मैसेज के द्वारा परीक्षा केंद्रों के इस परिवर्तन से अवगत करा दिया गया है।अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड का अपना नया प्रवेश पत्र वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

इसके साथ ही प्रवेश-परीक्षा को लेकर तैयारी पुरी कर ली गई है।

अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए शासन, जिला-प्रशासन व लखनऊ विश्वविद्यालय स्तर पर कोरोना से सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक परीक्षा-केंद्र पर कोविड-19 को प्रोटोकॉल एवं निर्देशों का पूर्ण पालन कराया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक परीक्षार्थी की थर्मल-स्क्रीनिंग, सभी परीक्षा-कक्षों एवं फर्नीचर आदि को सैनिटाइज कराने की पूरी व्यवस्था की गई है।सभी अभ्यर्थियों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा व सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए बीएड 2021 - 23 में शामिल होने के निर्देश दिए गए है।

PIONEER PAGE 4

शासन के निर्देश पर पढ़ाई को लेकर विश्वविद्यालयों में तैयारी शुरू

लखनऊ। कोरोना का प्रकोप कम होने के बाद सरकार की तरफसे 16 अगस्त से उच्च शिक्षण संस्थानों में पठन.पाठन शुरू करने के निर्देश के बाद राज्य विश्वविद्यालयों ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि अभी दूसरे और तीसरे वर्ष की पढ़ाई शुरू होगी। पहले वर्ष की कक्षाएं पहली सितंबर से शुरू होंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि सरकार के निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करते हुए परिसर में कक्षाएं शुरू की जाएंगी।

बीएड एंट्रेंस के तीन परीक्षा केंद्रों में संशोधन

लखनऊ। आगामी 6 अगस्त को प्रस्तावित राज्य स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर पूर्व निर्धारित 1476 परीक्षा केंद्रों की सूची में स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारियों की तरफसे तीन परीक्षा केंद्रों में परिवर्तन किया गया है। परीक्षा कराने वाले आयोजक संस्थान के रूप में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा इसकी जानकारी अभ्यर्थियों को अलर्ट मैसेज के जरिये दी गई है। जो परीक्षा केंद्र बदले गए हैं उनमें कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा के स्थान पर जनता महाविद्यालय इटावा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इसी तरह कर्म क्षेत्र महाविद्यालय ब्लाक बी इटावा के स्थान पर जनता महाविद्यालय ब्लाक बी इटावा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं इलाहाबाद डिग्री कालेज के स्थान पर यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद के डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। राज्य समन्वयक बीएड प्रवेश परीक्षा 2021 प्रो अमिता बाजपेयी ने बताया कि सभी संबंधित अभ्यर्थियों को ई-मेल और मोबाइल मैसेज के द्वारा परीक्षा केंद्रों के इस परिवर्तन से अवगत करा दिया गया है।